Vol II Issue IX

ISSN No : 2230-7850

Monthly Multidisciplinary
Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor

Ashok Yakkaldevi

Editor-in-chief

H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Indian Streams Research Journal
Volume 2, Issue.11,Dec. 2012
ISSN:-2230-7850

Available online at www.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

मालती जोशी की प्रतनिधि कहानियों में भारतीय स्त्री के विविध रुप

रुपाली संपत दळवी

हिंदी विभाग
अहमदनगर महाविदयालय अहमदनगर

प्रस्तावना :–

मालती जोशी हिंदी कहानी की एक सुप्रतिष्ठित सशक्त हस्ताक्षर हैं। इनकी कथाओं ने हिंदी साहित्य जगत को समृध्द बनया उन्होंने अपनी कहानियों में पारिवारिक जीवन में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को सहजता से प्रस्तुत किया है। मालती जोशी ने अपनी प्रतिनिधि कहानियों में भारतीय स्त्री के अलग – अलग रुपों को चित्रित किया है। उनकी हर कथा भारतीय स्त्री के नवीन रुप को पाठक के सामने लाती है।

आज समाज में बेटा – बेटी को समान अधिकार होते हुए भी शायद कुछ भारतीय मॉ अपने बेटे को अधिक प्यार करती है बेटी का सुख – दुःख उसके लिए अधिक महत्वपूर्ण नहीं है ऐसी स्त्री का चित्रिण उन्होंने ‘‘बेटे की मॉ‘‘ कहानी में किया है।

‘‘बेटे की मॉ‘‘ कथा की नायिका बिट्टो अपनी मॉ के लिए अपने यौवन तक को राख करती है। किंतु उसकी मॉ अपने मरे हुए बेटे के लिए ही ऑसू बहाती हैं वह अपनी जीवित बेटी की मॉ बनके नहीं अपने मृत बेटे की मॉ बनकर अधिक गौरवन्वित अनुभव करती है। अपनी मॉ की इस सोच पर बिट्टो कहती है ‘‘.... क्या वे बिलकुल भूल गई है कि उनके बुढापें की गरिमा बनाए रखने के लिए, मैंने अपना यौवन राख कर दिया है ...पता था कि इन ऑसुओं से एक भी मेरे लिए नहीं मेरे सूने भविष्य के लिए,मेरे बिखरे सपनों के लिए अम्मा कब रोई थी जो आज रोऍंगी? आज पक्का विश्वास,हो अपना गया अपने को कि जिनके लिए तिल –तिलकर जी रही हूँ,वे मेरी मॉ नहीं है। वे तो भैया की मॉ है, अपने बेटे की मॉ ।‘‘ 1

आज की स्त्री शिक्षित है। उच्च शिक्षा को प्राप्त करने के बाद भी भारत में ऐसी स्त्रियॉ भी है जो क्षमता और योग्यता होते हूए भी अपने जीवन के महत्त्वपूर्ण निर्णय नहीं ले सकती अपने जवीन के निर्णय लेने की आजादी आज भी उन्हें नहीं है। ऐसी स्त्रियों का प्रतिनिधित्व ‘‘सॉस – सॉस पर पहरा बैठा ‘‘ की डॉ. मिनी करती हैं। जो ना शादी के समय अपने माता–पिता से अपने दिल की बात कह पाती है और न ही अपने दकियानूसी करोडपति पति के साथ खुश है। मिनी के मन के साथ – साथ उसका शरीर भी व्याधिग्रस्त होने लगता है।

शिशु का जन्म नारी के लिए दिव्य अनुभव है। इसमें असहय शारिरिक वेदना तो है साथही सृजन का आनंद और मातृत्व का गौरव भी है। इस अनुभव का वर्णन नहीं किया जा सकता उससे गुजरकर ही उसे जाना जा सकता है। इस बात को ‘‘प्रतिदान‘‘ की नायिका संध्या तथा उसकी सास के माध्यम लेखिका ने दर्शाया है –

‘‘मॉ जी हर बार मेरे साथ पसीने से नहा आती थी, मानों मेरी पीडा को वह अणु अणु के साथ अनुभव कर रही थी।‘‘ ... मैं उन्हें दृढता से पकडे रही । उन भावविहीन चेहरों के बीच उन्हीं का चेहरा तो था। जो मेरी वेदना से विहल हो रहा था। मेरी पीडा को एक अकेली वही समझ रही थी, क्योंकि सृजन की यह पीर उन्होंने भी सही थी। ‘‘2

कहते है कि बेटी बडी होने पर वह अपनी मॉ की मॉ बनती हैं। उसकी सबसे प्रिय सखी बनती है। बिना कुछ कहे सूने ही वे दोनों एक दूसरे का सुख दुख जानती है। मॉ बेटी के इसी सुंदर रिश्ते को ‘‘कोख का दर्प‘‘ में लेखिका ने चित्रित किया है

‘‘बचपन की याद है मॉ के उन उदास क्षणों को हमीं दोनों बहनें तो झेलती थी। साऍं, की तरह साथ लग जाती थीं। उतने कुछ क्षणों के लिए हम मॉ की अंतरंग सखियॉ बन जाती थी। किसी को पता भी नहीं चलता और हम जान जातीं कि आज मॉ रोई है।‘‘3

इस कथा की मॉ ऐसी स्त्री का प्रतिनिधित्व करती है जो जिंदगी भर पछतावे के ऑसू बहाती रही किंतू अपने संतान को अपने ऑचल में नहीं छूपा सकी। उसकी तुलना में एक निरक्षर महरी ज्यादा दबंग साबित होती है जो अपने संतान को ऑचल में छूपाकर रखती है।

बुढापे तक आते आते स्त्री अपनी सारी जिंदगी परिवार की सेवा करते हुए बिताती है। उम्र के इस पडाव पर उसका मन बच्चों को लेकर, नाती पोतों को लेकर,एक स्वप्न बुनने लगता है। पर बच्चों की योजनाऍं कुछ और होती है। उनमें वह नहीं होती तब उसका जबदस्त ‘‘मोहभंग‘‘ होता है। स्त्री के इंसी मोहभंग को लेखिका ने अपनी कथा ‘‘मोहभंग‘‘में चित्रित किया है।

जब से औरत अर्थार्जन करने लगी है, उसके मॉ–बाप भी उसके शोषण में पीछे नहीं रहते। ऐसी औरतों का प्रतिनिधित्व ‘‘ आउट साइडर‘‘ की निलम करती है। जो बाप की गृहस्थी का भार ढोते–ढोते बुढा जाती है। उसकी शादी की उम्र निकलती जाती हैं, मॉ उस ओर से ऑख मूँद लेती है। कथा की दीदी का कहना –

‘‘....शिकायत कभी अगर थी, तो वह अम्मा से थी। मॉ होकर भी उन्होंने बहुत पक्षपात किया। कमाने का भार बडी बेटी के कंधो पर डालकर वे बाकी बच्चों का लालन–पालन करती रहीं। उम्र नीलम की मुठ्ठी में से रेत की तरह फिसलती रही अम्मा जानकर अनजान बनी रहीं। ‘‘4

निलम अब उन्ही भाई –बहन के लिए बोझ बनती है वह अपनी प्रौढा बहन के शासन से छुटकारा पाना चाहते है। अंत में उसका

दुरस्थ स्थानंतरण होने से आश्वासित की सॉस लेते है।

''प्रॉब्लम चाइल्ड'' में लेखिका ने आधुनिक मॉ ओं का चित्रण 'निरुपमा' के माध्यम से किया है। बच्चा अगर एक दिन भी स्कूल न जाए तो होमवर्क का एक पहाड. खडा हो जाता है। बच्चे के साथ मॉ को भी उस पहाड से जूझना पडता है। पढाई के इस बढते बोझ के कारण मॉ अपने बच्चों से ठिक से प्यार जता नहीं सकती ऐसे माहौल में बच्चे तो कंहला रहे हैं। उनकी माताऍं भी मनोरुग्ण हो रही है। अपने बेटी के होमवर्क की चिंता करते हुए निरुपमा कहती है कि – ''वो प्यार –प्यार तो ठिक है, पर होमवर्क का तो आज कुंडा ही हो गया न? सुबह देखो,स्कूल जाते समय कैसा महाभारत मचेगा और कल नहीं गई तो मुझे झक मारकर अडोस – पडोस में कॉपी मॉगने जाना पडेगा। नही ंतो परसों का होमवर्क भी गोल ही जाएगा ।''5

उसने नहीं कहा में लेखिका ने एक मध्यमवर्गीय स्त्री का चित्रण किया है। जो अभावों में मुस्कुराती है, पति के दोषों को ढकती है। एक सीधी –साधी घरेलू औरत का चित्रण लेखिका ने इस कथा की मॉ के द्वारा किया है जो ''कितने – कितने त्योहार पुरानी साडियों में मनाती है। कितनी सर्दियॉ एक इकलौती उन स्वेटर में निकाल देती है। कितनी राखियों पर उन्होंने मैंके जाने से इंकार कर भाइयों को दरवाजे से लौटा दिया।''6 (उसने नहीं कहा)

समाज में आज भी तलाकशुदा औरतो को वह सम्मान नहीं मिलता जो एक गृहणी को मिलता है। वह बडी मुस्किलों से बच्चे को पालती – पोसती है किंतु बच्चे के विवाह के समय उसके पति को लेकर बातें होती है। ''आस्था के आयाम'' में वर पक्ष के पिता यह शर्त रखते है कि लडकी की शादी में उसके पिता हो। कथा की नायिका तेजस्विनी अपनी सास से साफ –साफ कहती है कि इस शर्त पर वह शादी नहीं करेंगी कथा की तेजस्विनी बेटी है जो अपने स्वार्थ के लिए अपनी मॉ का अपमान नहीं होने दे सकती।

स्त्री कितनी भी पढ लिख ले, आर्थिक रुप से सशक्त बने उसे केवल एक छोटा – सा घर,फूल सा बच्चा एक प्यार करने वाला पति – चाहिए। औरत के इस रुप को ''प्यार के दो पल बहुत है'' की नायिका अश्विनी के माध्यम से रेखांकित किया है –

''एक फूल सा बच्चा एक प्यार करने वाला पति–सच–मानिए,औरत को इससे अधिक कुछ भी दरकार नहीं होता।''7 मालती जोशी द्वारा चित्रित स्त्री के इन विभिन्न रुपों को हम हमारे आस – पास कही भी देख सकते है।

संदर्भ

1. बेटे की मॉ मालती जोशी
2. (प्रतिदान) वहीं
3. (कोरव का दर्प) वहीं
4. आउट साइडर' वहीं
5. (प्रॉब्लम चाइल्ड) वहीं
6. (उसने नहीं कहा) वहीं
7. प्यार के दो पल बहुत है) वहीं

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

* International Scientific Journal Consortium Scientific
* OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

* Google Scholar
* EBSCO
* DOAJ
* Index Copernicus
* Publication Index
* Academic Journal Database
* Contemporary Research Index
* Academic Paper Databse
* Digital Journals Database
* Current Index to Scholarly Journals
* Elite Scientific Journal Archive
* Directory Of Academic Resources
* Scholar Journal Index
* Recent Science Index
* Scientific Resources Database

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net